Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

11th History

Chapter-4 | Part-5

ARJUN BATCH

तीन वर्ग (Three Orders)

तीसरा वर्ग-कृषक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?



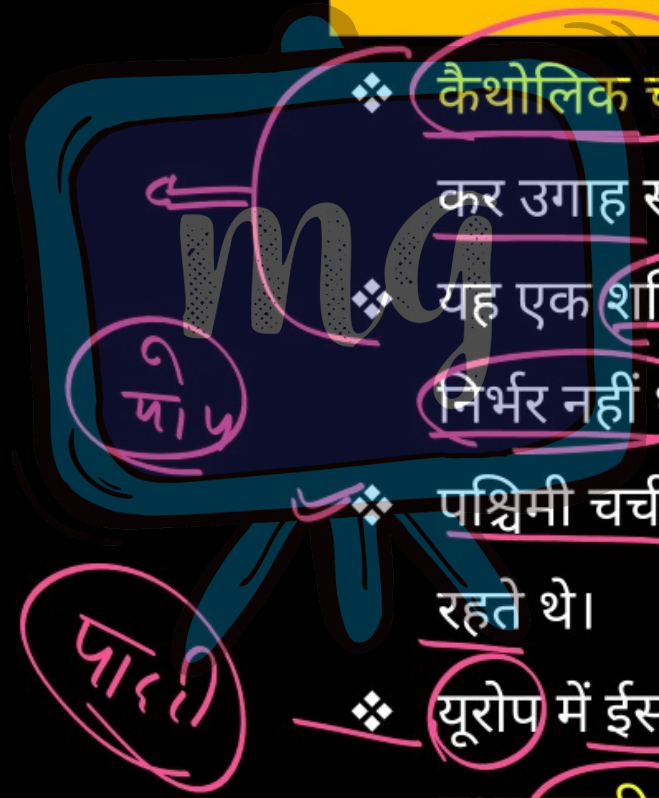
1. प्रथम वर्ग- पादरी वर्ग
2. भिक्षु
3. तीसरा वर्ग-किसान, स्वतंत्र और बंधक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

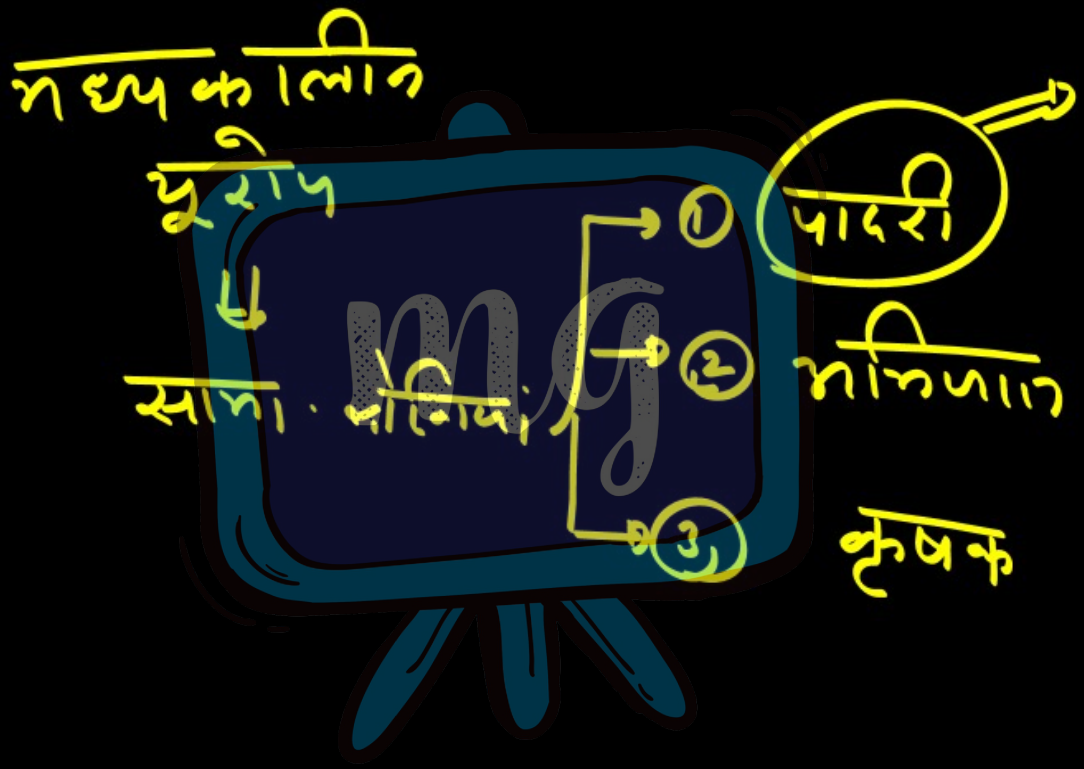
प्रथम वर्ग- पादरी वर्ग

- कैथोलिक चर्च राजा द्वारा दी गई भूमियों से कर उगाह सकते थे।
- यह एक शक्तिशाली संस्था थी जो राजा पर निर्भर नहीं थी।
- पश्चिमी चर्च के अध्यक्ष पोप थे, जो रोम में रहते थे।
- यूरोप में ईसाई समाज का मार्गदर्शन बिशपों तथा पादरियों द्वारा किया जाता था ।



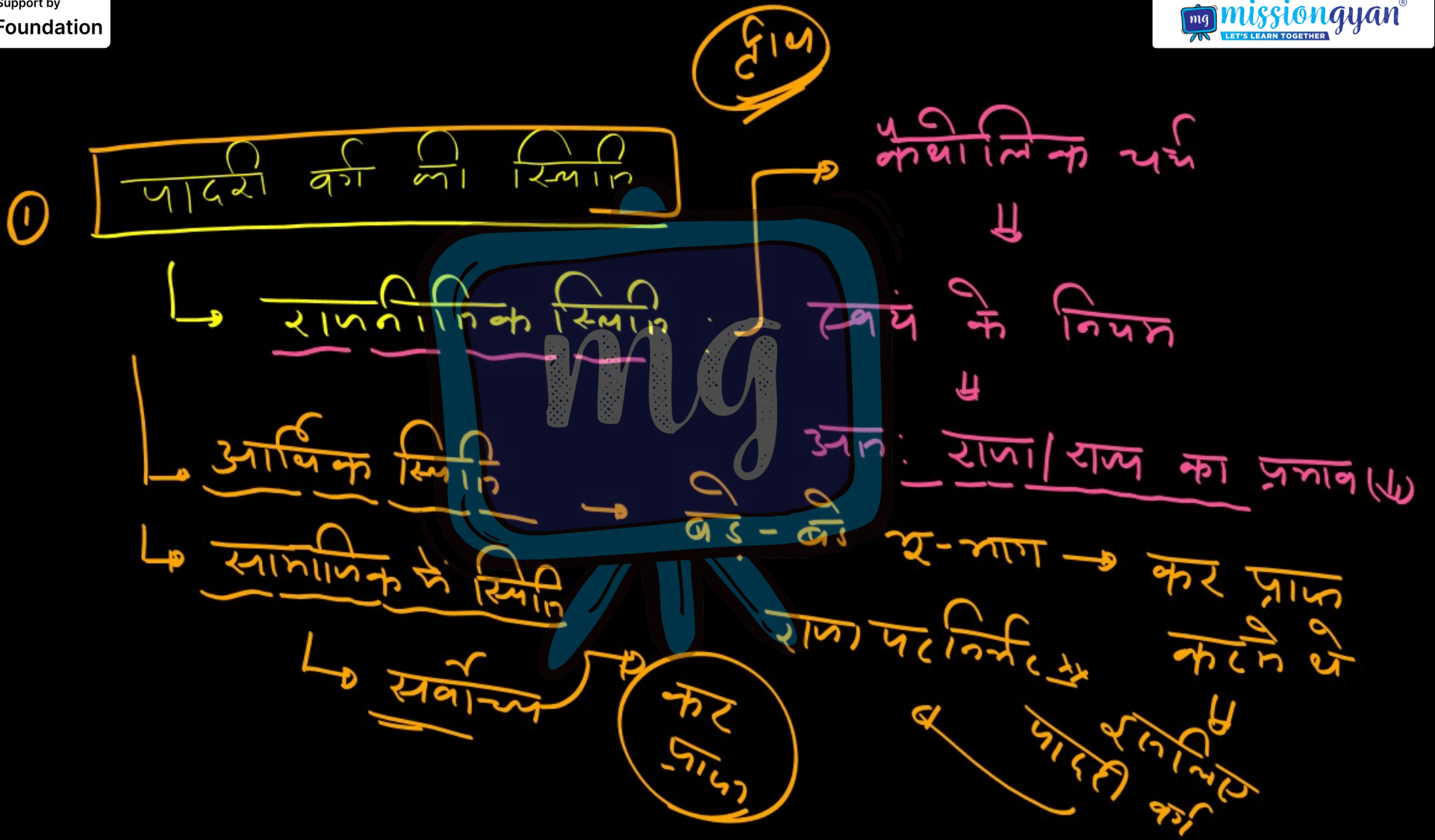
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



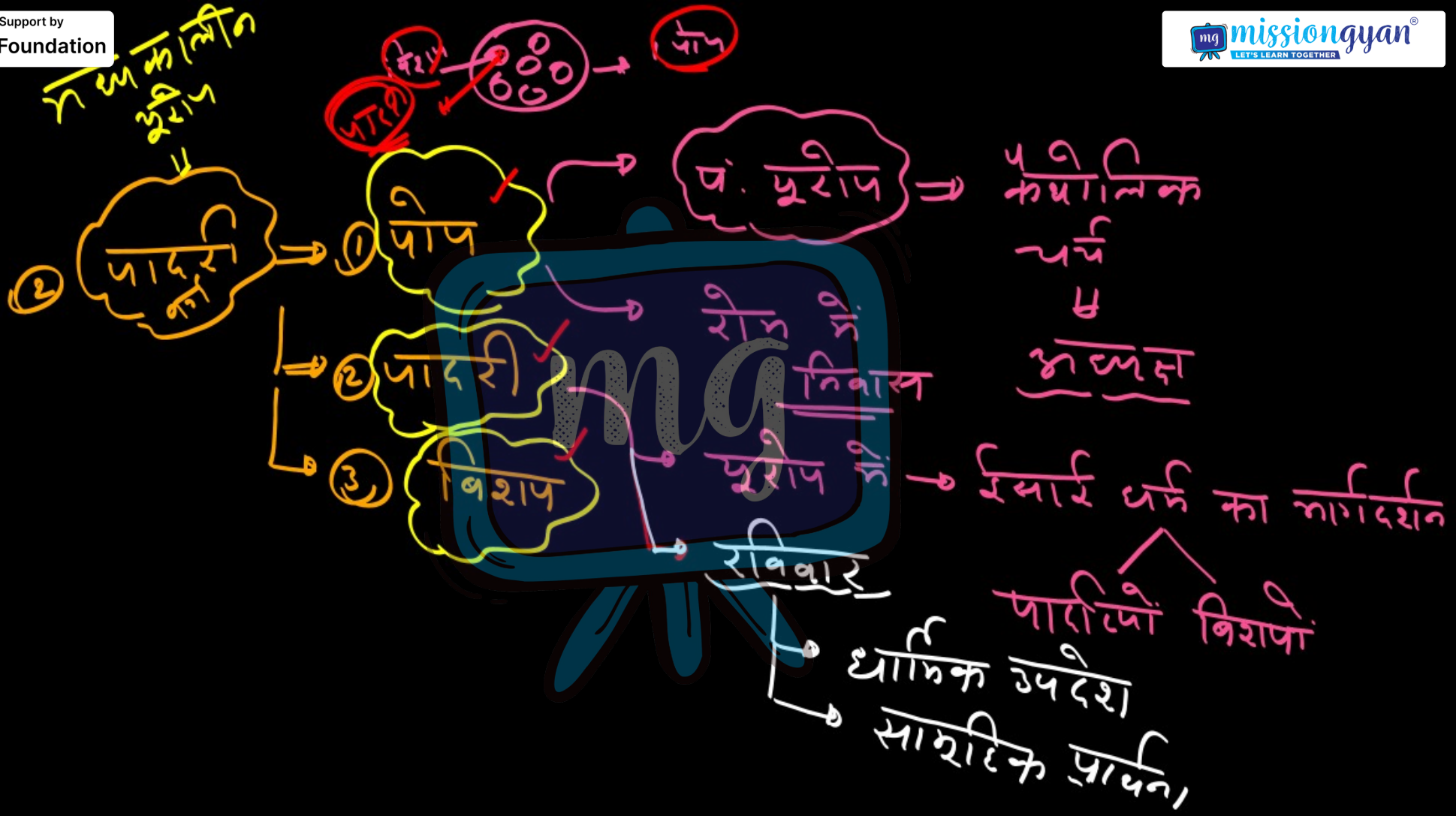
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



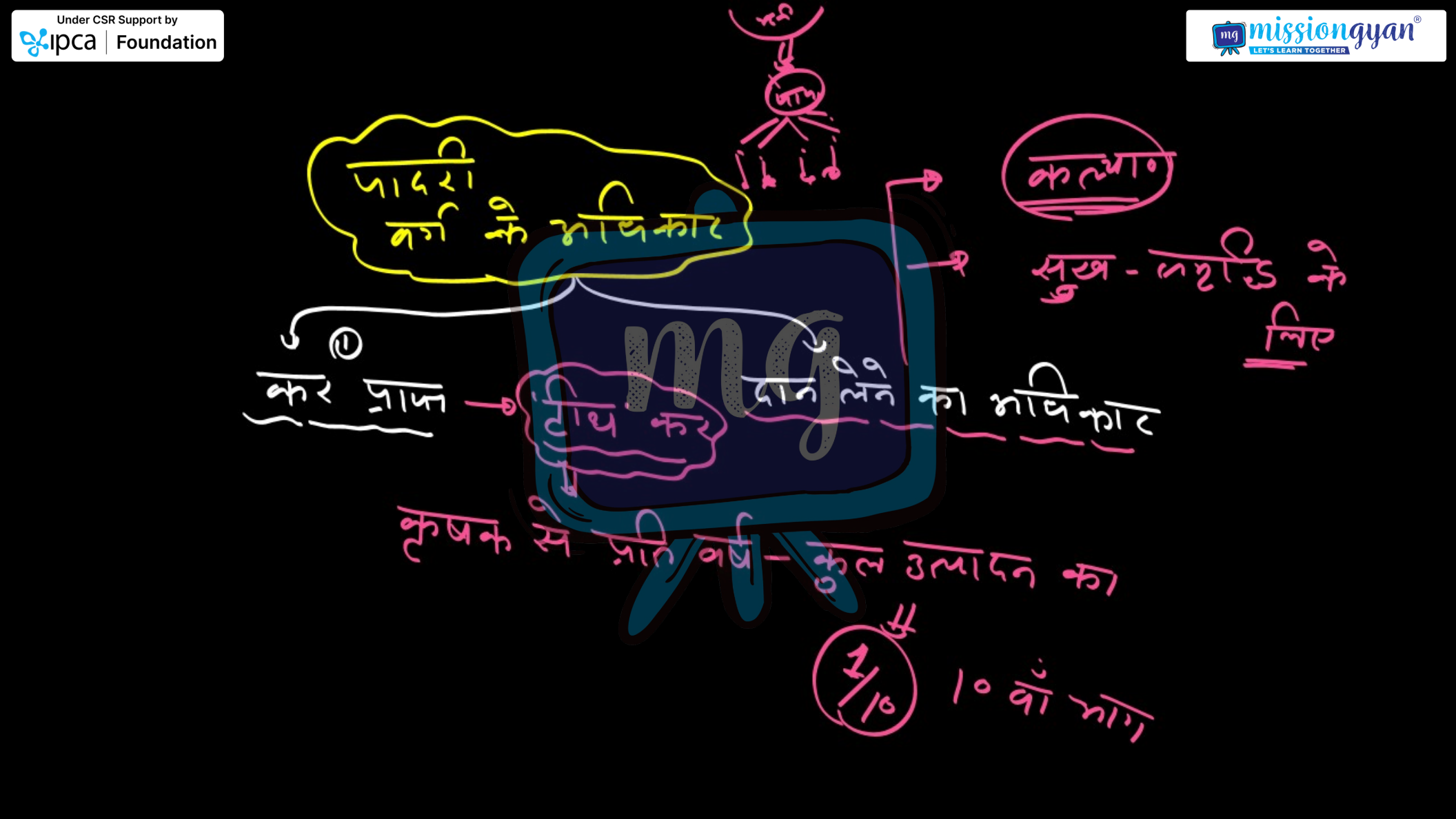
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



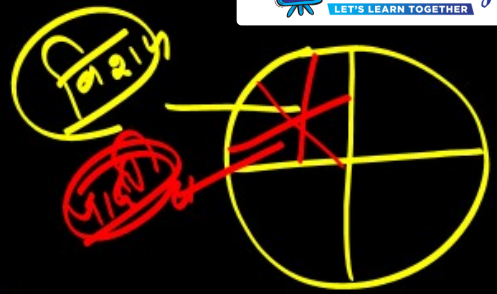
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विवाद → दुराव के → धर्म के लोग के

↳ मतों के विवाद अभिलाष

Under CSR Support by
ipca | Foundation

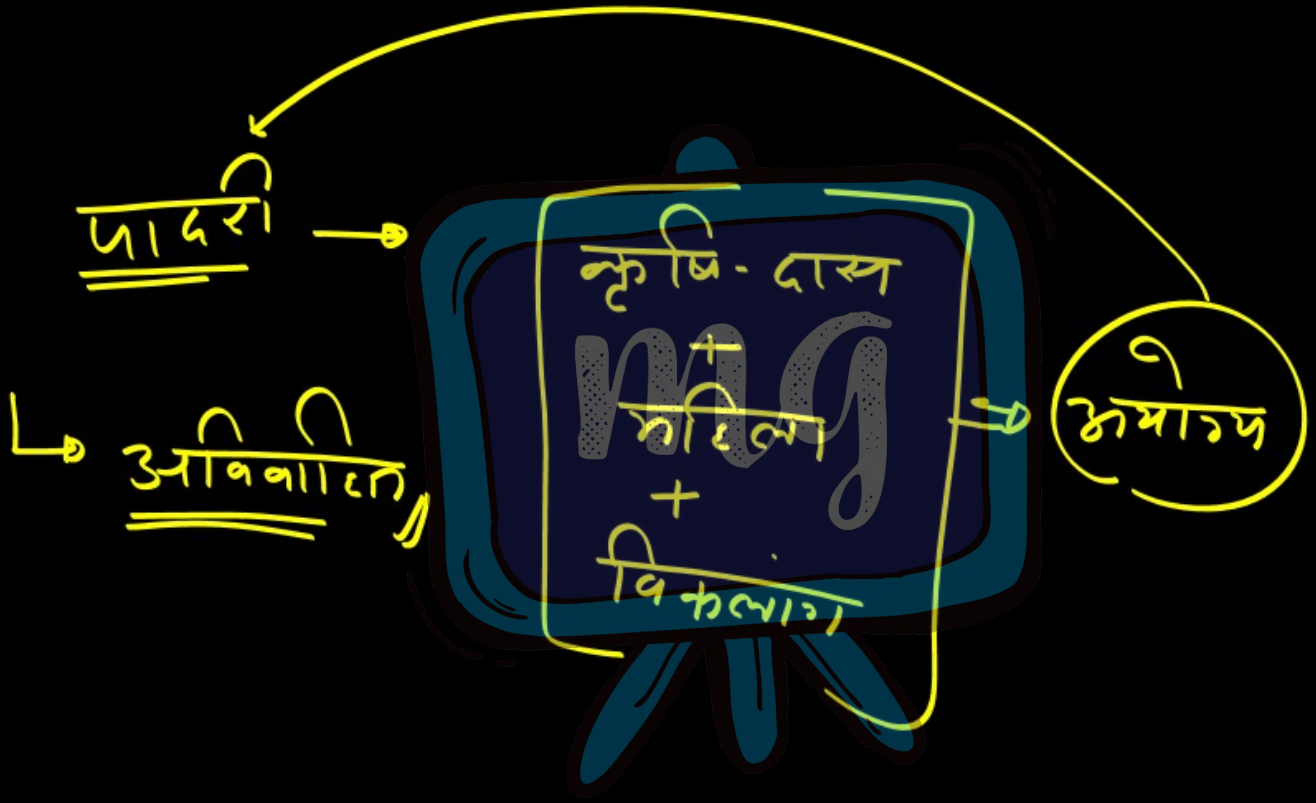
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- बिशप तथा पादरी प्रथम वर्ग के अंग थे।
- कृषि-दास, शारीरिक रूप से बाधित व्यक्ति और स्त्रियाँ पादरी नहीं बन सकते थे।
- जो पुरुष पादरी बनते थे, वे शादी नहीं कर सकते थे।
- धर्म के क्षेत्र में बिशप अभिजात माने जाते थे।
- बिशपों के पास भी लॉर्ड की तरह विस्तृत जागीरें थी और वे शानदार महलों में रहते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

❖ चर्च कृषक से उसकी उपज का दसवाँ भाग लेती थी जिसे 'टीथ' (Tithe) कहते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

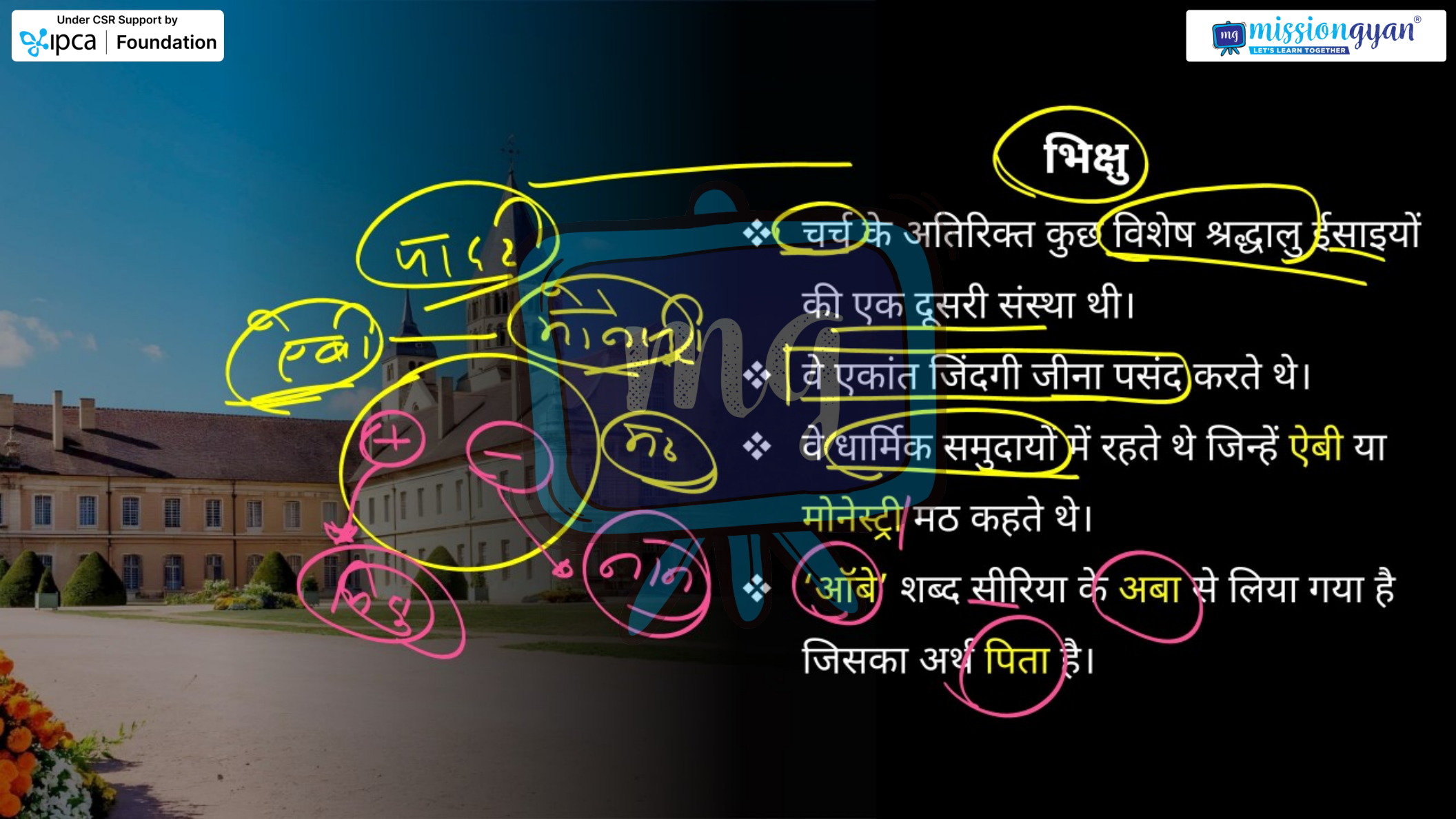
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- चर्च के औपचारिक रीति-रिवाज की कुछ रस्में, सामंती कुलीनों की नकल थी–
  1. ईश्वर के लिए लॉर्ड शब्द का प्रचलन।
  2. प्रार्थना करते वक्त, हाथ जोड़कर और सिर झुकाकर घुटनों के बल झुकना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

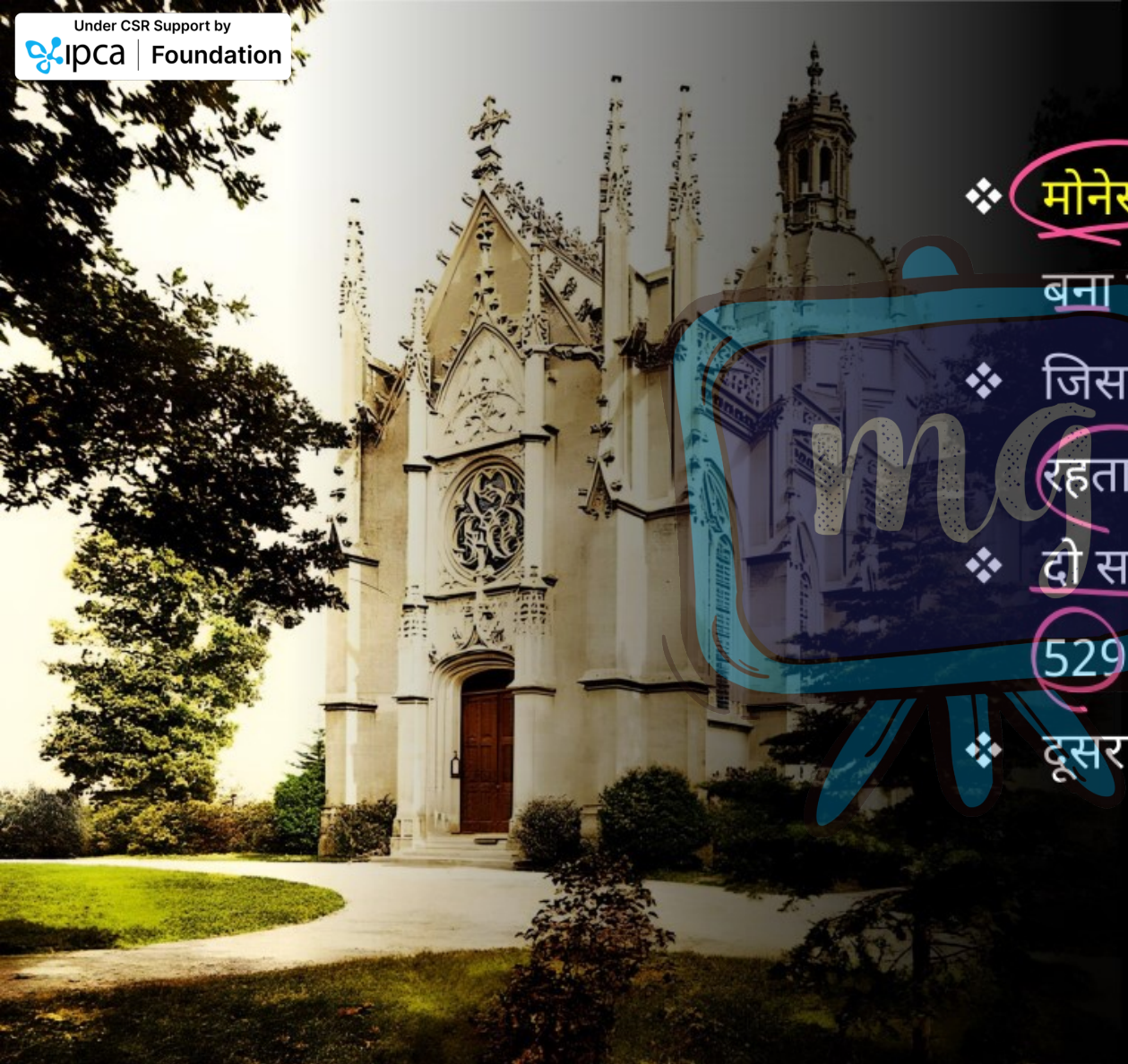


भिक्षु

- चर्च के अतिरिक्त कुछ विशेष श्रद्धालु ईसाइयों की एक दूसरी संस्था थी।
- वे एकांत जिंदगी जीना पसंद करते थे।
- वे धार्मिक समुदायों में रहते थे जिन्हें ऐबी या मोनेस्ट्री/मठ कहते थे।
- 'ऑबे' शब्द सीरिया के अबा से लिया गया है जिसका अर्थ पिता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

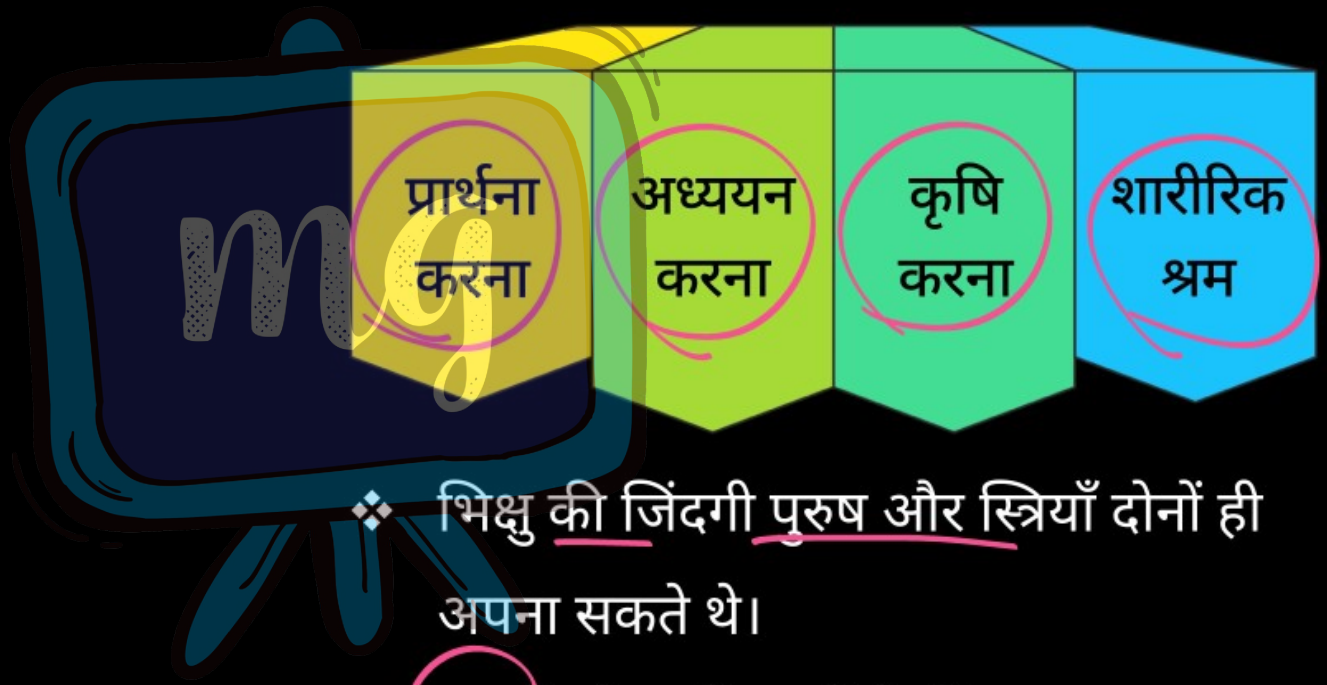


- मोनेस्ट्री शब्द ग्रीक भाषा के शब्द 'मोनोस' से बना है।
- जिसका अर्थ है ऐसा व्यक्ति जो अकेला रहता हो।
- दो सबसे अधिक प्रसिद्ध मठों में एक मठ 529 में इटली में स्थापित सेंट बेनेडिक्ट था।
- दूसरा 910 में बरगंडी में स्थापित क्लूनी था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भिक्षुओं की जीवनशैली



- भिक्षु की जिंदगी पुरुष और स्त्रियाँ दोनों ही अपना सकते थे।
- पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग ऑबे थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ऐसे पुरुषों को मोंक (Monk) तथा स्त्रियाँ ननन (Nun) कहलाती थीं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER







- भिक्षु और भिक्षुणियाँ भी विवाह नहीं कर सकते थे।
- मठ अब सैकड़ों की संख्या के समुदाय बन गए।
- जिसमें बड़ी इमारतें और भू-जागीरों के साथ-साथ स्कूल या कॉलेज और अस्पताल सम्मिलित थे।
- इन समुदायों ने कला के विकास में योगदान दिया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

mg missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- आबेस हिल्डेगार्ड एक प्रतिभाशाली संगीतज्ञ था।
- तेरहवीं सदी से भिक्षुओं के कुछ समूह ने मठों में न रहने का निर्णय लिया।
- जिन्हें फ़ायर कहते थे।
- वे घूम-घूम कर लोगों को उपदेश देते और दान से अपनी जीविका चलाते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इंग्लैंड में, लैंग्लैंड की कविता पियर्स प्लाउमैन (1360-70 ई.) में कुछ भिक्षुओं के आरामदायक एवं विलासितापूर्ण जीवन की साधारण कृषकों, गड़रियों और गरीब मजदूरों के 'विशुद्ध विश्वास' से तुलना की गई है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इंग्लैंड में भी चॉसर ने कैंटरबरी टेल्स लिखी जिसमें भिक्षुणी , भिक्षु और फ़्रायर का हास्यास्पद चित्रण किया गया है।

